(d) Due to operational and resource constraints, this new train is not feasible.

दक्षिण-पूर्व रेलवे के अन्तर्गत हुई रेल दुर्घटनाएं

1993. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1991-92 से 1993-94 की अवधि के दौरान दक्षिण-पूर्व रेलवे के अन्तर्गत प्रति वर्ष कितनी माल गाड़ी एवं यात्री गाड़ियां दुर्घटना ग्रस्त हुई हैं;

(ख) इनमें से कितनी दुर्घटनाएं मानवीय गलतियों एवं कितनी तकनीकी खामियों की वजह से हुई हैं;

(ग) इन दुर्घटनाओं से जन एवं धन की प्रति वर्ष हुई हानि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस रेल मार्ग के अन्तर्गत रेल का कितना लंबा पटरियों को पुरानी हो जाने के कारण बदले जाने की आवश्यकता है, तथा इनको बदले जाने के लिए की जा रही कार्यवाही ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) से (ग) सूचना निम्नानुसार है:—

	1991-92	1992-93	1993-94
मालगाड़ियों की दुर्घटनाएं	65	82	85
यात्री गाड़ियों की दुर्घटनाएं	20	25	19
मानवीय चूक के कारण दुर्घटनाएं	64	81	68
उपस्कर की खराबी के कारण दुर्घटनाएं	8	10	17
मारे गए व्यक्तियों की संख्या	13	54	31
रेल सम्पत्ति को हुई क्षति की लागत (करोड़ रु० में)	6.51	13.80	22.51

(घ) 1.4.1997 को 2143 कि० मी० रेलपथ का नवीकरण करना शेष है। इसमें से 1429 कि०मी० रेलपथ नवीकरण के लिए स्वीकृत कर दिया गया है। 1997-98 के दौरान, 1429 कि०मी० रेलपथ में से 610 कि०मी० रेलपथ के नवीकरण करने की योजना बनाई गई है। यह 1997-98 के दौरान 290 करोड़ रु० के बजट आबंटन पर आधारित है।

भोपाल-झांसी खंड में रेलवे के सामान की चोरी

1994. **श्री राघव जी:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मध्य रेलवे में भोपाल-झांसी के बीच स्लीपर्स, क्लेम आदि जैसे रेलवे के सामान की चोरी के मामले गत एक वर्ष के दौरान प्रकाश में आये हैं?

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या चोरी के मामले में लिप्त अपराधी पकड़े गये है, यदि हां, तो उनके नाम क्या-क्या है तथा अब तक उनके विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई है?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) जी, हां।

(ख) और (ग) गत वर्ष 1996 में एक प्रकरण पंजीकृत किया, जिसमें चोरी गई रेल संपत्ति कीमत रू० 70,000/- पूर्ण रूप से बरामद हुई एवं 5 बाहरी व्यक्ति गिरफ्तार किये गये। मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

इस वर्ष 1997 माह जून तक तीन प्रकरण पंजीकृत किये जिनमें रु० 2,82,000/- कीमत की रेल संपत्ति चोरी गयी जिसमें से 2 प्रकरण में रु० 2,42000/- की रेलवे संपत्ति बरामद करके 8 बाहरी व्यक्ति और 5 रेल कर्मचारियों को गिरफ्तार किया व रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम के अंतर्गत जांच जारी है। रेल कर्मचारियों में से 4 को निलम्बित किया गया एवं रेल पथ निरीक्षक को विदीशा से अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया। गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम निम्नलिखित है:—

बाहरी व्यक्ति

लखन, मुन्ना, सियाराम, गुलाब, कल्लू, केशव उत्तम सिंह, राजू

रेल कर्मियों के नाम

दयाराम, सुरेश चंद्र राजपूत, आर० सी० मीना, सियाराम वर्मा, बैजनाथ मिश्रा।

द्रुत-परिवहन व्यवस्था हेतु सर्वेक्षण

1995. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बडोदरा जंक्शन में मिलने वाली आठों सेक्शन की प्रत्येक रेल लाइन के संबंध में दैनिक यातायात सर्वेक्षण कर लिया गया है ताकि द्रुत परिवहन व्यवस्था को लागू किया जा सके;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या कम से कम बडोदरा-अहमदाबाद, बडोदरा-गोधरा और बडोदरा-सूरत के बीच द्रुत परिवहन व्यवस्था लागू करने का कोई प्रस्ताव है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या बडोदरा जंक्शन पर तिहरी लाइन बिछाने के लिए विभागीय प्रबंधक द्वारा कोई आवेदन सरकार को प्रेषित किया गया है; और

(च) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) जी नहीं। बहरहाल उपनगरीय परिवहन योजना शहरी मामले एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आती है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) बडोदरा जंक्शन पर तीसरी लाइन का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

"पासवान जी देखिए क्या सीन है" शीर्षक से प्रकाशित समाचार

1996. **श्री राम गोपाल यादव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 15 जून, 1997 के "राष्ट्रीय सहारा" के मुख्य पृष्ठ पर "पासवान जी देखिए क्या सीन है" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है तथा इस संबंध में सरकार ने तत्काल प्रभाव से क्या कदम उठाए हैं?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) जी हां।

(ख) समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्टों सहित समय-समय पर प्राप्त होने वाली शिकायतों की सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत जांच पड़ताल की जाती है तथा निवारक कार्यवाही की जाती है। जिसमें शिकायत के लिए उत्तरदायी कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही करना भी शामिल है। 1994-95 तथा 1995-96 के दौरान क्रमशः 2407 तथा 2252 रेल कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई थी। समाचार पत्र में प्रकाशित इस विशिष्ट घटना के संबंध में उत्तर रेल द्वारा तत्परता से जांच की गई तथा किसी भी रेल कर्मचारी को प्रथम दृष्टया दोषी नहीं पाया गया। यात्री सुविधाओं के लिए अलग धनराशि की व्यवस्था करके कार्यक्रमों के आधार पर स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में सुधार लाने/उन्हें सुचारू बनाने हेतु निरन्तर प्रयास भी किए जाते हैं।

Procurement of newspapers for passengers

1997. SHRI GAYA SINGH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Lunch, Dinner as well as newspapers are supplied to the passengers in the various Rajdhani and Shatabdi Express trains as per the order of the Ministry;

(b) whether it is also a fact that the newspapers are procured by the Railways from the bookstall contractors at the train originating station or from an intermediate station;

(c) whether as per the instructions contained in the Ministry's letter No. 89/TG1/10/50 dated: 25th February, 1997 and separate agreement is executed with the Book Stall contractors by the Railways; and

(d) if not, the detailed reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir. At some Stations.

(c) Yes, Sir.

(d) Does not arise.

Higher rates charged by new stalls at railway stations

1998. SHRI GAYA SINGH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a number of new stalls are being allotted by the Chief Traffic Manager, Delhi to the